श्री शत्रुंजय - मुक्ति सम्यग्ज्ञान अभ्यासक्रम

मास्टर ऑफ जैनिज्म् प्रथम वर्ष - २

प्रश्न - पत्र

नवम्बर - २०२२
गुणांक - ५०

सूचना : १. नाम और एनरोलमेंट नंबर बिना का पेपर रद्द किया जायेगा। २. लाल स्याही के पेन का उपयोग न करें। ३. समझ में न आये ऐसे अक्षरों वाले जवाब पत्र जांचे नहीं जायेंगे। ४. जवाब पत्र में ही योग्य खाने में जवाब लिखना है, साथ में दूसरा पेपर जोडना नहीं है। ५. गलत एनरोलमेन्ट नंबर तथा नहीं समझे ऐसे एनरोलमेन्ट नंबर के १० अंक कम कर लिये जायेंगे। ६. समय पर ता. २५ फरवरी तक पेपर नही मिले तो दूसरे १० अंक कम किये जायेंगे। ७. निबंध के मार्क्स ग्रेड पद्धति से दिये जायेंगे। ८. जवाब पत्र, निबंध में नाम, एनरोलमेन्ट नंबर, वर्ष और सत्र लिखना जरुरी है। ९. जवाब तत्वार्थ सूत्र के तीन, चार और पाँच अध्याय में से (पृष्ठ ८२ से १४७) ही लिखना है।

प्रश्न नं. १ योग्य विकल्प ढूंढकर रिक्त स्थान की पूर्ति करो २५

१. परिताप ही दुःख है जो .....अंतरंग कारण और द्रव्य आदि बाह्य निमित्तों से उत्पन्न होता है।
२. स्तनित कुमारों का..... चिन्ह होता है।
३. अविभाज्य सूक्ष्म को ..... भी कहते है।
४. परस्पर आश्लेषरूप बन्ध के भी प्रायोगिक और..... ये दो भेद है।
५. तेजःकाय की ..... तीन अहोरात्र है।
६. व्यक्ति की अपेक्षा से .....परिणाम सबमें समान रुप से घटित किया जा सकता है।
७. रुपित्व गुण पुद्गल को छोडकर धर्मास्तिकाय आदि चार तत्वों का ..... है।
८. ..... के कारण सब विमान तथा सिद्धशिला आदि आकाश में निराधार अवस्थित हैं।
९. पाँच विदेह के ..... चक्रवर्ती विजय आर्यदेश हैं।
१०. नारकों का जीवन..... के कारण जल्दी समाप्त नहीं होता।
११. नरक की दूसरी भूमि का आधार उसका ..... है।
१२. आकाश से बडा या उसके..... का अन्य कोई द्रव्य नहीं है।
१३. अपनी अपनी जाति का त्याग किये बिना प्रतिसमय निमित्तानुसार..... भिन्न भिन्न अवस्थाओं को प्राप्त होते रहते हैं।
१४. जो अल्प आरम्भवाली और अनिंद्य आजीविकावाले हैं वे..... आर्य हैं।
१५. जैन दर्शन में मन भी ..... होने से स्पर्श आदि गुण वाला ही है।
१६. जब स्निग्ध और रुक्ष अवयव आपस में मिलते हैं तब उनका ..... होता है।
१७. काल का विभाग..... की विशिष्ट गति पर ही निर्भर हैं।
१८. ..... का कुछ भाग मध्यलोक में सम्मिलित है।
१९. तीस भोगभूमियों के निवासी ..... ही हैं।
२०. तत्व के भेदों में काल का.....संभव ही नहीं है।
२१. अस्वच्छ वस्तुओं पर पडनेवाली परछाई..... है।
२२. विविध वर्ण-पर्यायों में ..... स्थित रहता है।
२३. भाषा वर्गणा के पुद्गलों का एक विशिष्ट प्रकार का परिणाम..... है।
२४. विदेह और रम्यक वर्ष का विभाजक ..... है।
२५. जो गुण केवलज्ञान गम्य ही है वे सभी ..... हैं।

प्रश्न नं. २ एक शब्द में जवाब लिखो २५

१. कौनसा गुण सभी द्रव्यों में नियामक पद भोगता है ?
२. किनका स्थान लोक के सब भागों में है ?
३. किन द्रव्यो के प्रदेश अपनी स्कंध से पृथक नहीं हो सकते ?
४. धर्म. अधर्म आदि पाँच द्रव्य कैसे कहे गये हैं ?
५. कौनसी भूमियाँ समश्रेणी में न होकर एक दूसरे के नीचे हैं ?
६. निश्वास वायु और उच्छवास वायु क्या होने से आत्मा के अनुग्रहकारी हैं ?
७. कौन से पद से चक्षुग्राह्य स्कंध का ही बोध होता है ?

८. लोकान्तिक देव कहाँ से च्युत होकर मनुष्य जन्म प्राप्त कर मोक्ष प्राप्त करते है ?
९. व्यवहार सिद्ध दिशा का नियम किस पर निर्भर है ?
१०. महाविदेह यह किसका प्रकार है ?
११. परमाधामी देवों को दुसरों को सताने में किस कारण से प्रसन्नता होती है ?
१२. अस्तिकायों के आधारधेय सम्बन्ध का विचार किसको लेकर किया गया है ?
१३. तारवाले वीणा, सारंगी आदि वाद्यों के शब्द क्या कहलाते है ?
१४. किस विचित्रता के कारण अधिक इन्द्रियों के द्वारा ग्राह्य स्कंध अल्प इन्द्रिय ग्राह्य बन जाता है ?
१५. पल्योपम, सागरोपम आदि काल किससे जाना जाता है ?
१६. मेरु पर्वत के दूसरे कांड में किसकी प्रचुरता है ?
१७. अनंत उत्सर्पिणी - अवसर्पिणी प्रमाण काय स्थिति किसकी है ?
१८. सम्पूर्ण पुद्गल राशी का किन दो प्रकारों में समावेश हो जाता है ?
१९. उपयोग पर्याय - प्रवाह और रुप पर्याय प्रवाह क्या होने से नित्य है ?
२०. एकेन्द्रिय से पंचेन्द्रिय तक सब जीवों का समावेश किनमें होता है ?
२१. संतोषजन्य परमसुख में कौन निमग्न रहते हैं ?
२२. संमुर्च्छिम जीवों में त्रेपन हजार वर्ष की भवस्थिति किसकी है ?
२३. भेद और संघात दोनों से क्या बनता है ?
२४. पल्योपम का अष्टमांश जघन्य स्थिति किनकी है ?
२५. ऐरावत क्षेत्र में मेरुपर्वत किस दिशा में पडता है ?

प्रश्न नं. ३ विविध ग्रंथो की सहायता से तुम्हारे शब्दों में १५ से १७ पन्नो का महानिबंध लिखो (कोई भी एक)

१. **धातकी खंड द्वीप** (जैन लोक का स्वरुप, मध्यलोक, असंख्य द्वीप समुद्र, धातकी खंड में विविध क्षेत्र (२ भरत, २ ऐरावत, २ महाविदेह) ६ कर्मभूमि, दो मेरु, १२ सूर्य चंद्र आदि)
२. **ज्योतिष्क चक्र** (चार जाति के देव, ज्योतिष्क में चंद्र, सूर्य, तारे, ग्रह, नक्षत्र इनसे समय की गिनती, हमारे उपर उनके उपकार जघन्य उत्कृष्ट स्थिति)
३. **अजीव स्वरुप** (नव तत्व में से एक, तेरह भेद, उनके प्रकार)

एम.जे. पार्ट -१ केन्द्रिय परिक्षा पत्र कैसा होगा ?

प्रश्न -१	रिक्त स्थान भरो	गुणांक - २०
प्रश्न -२	एक शब्द मे जवाब लिखो	गुणांक - २०
प्रश्न -३	नीचे के वाक्य सही या गलत बताईये	गुणांक - २०
प्रश्न -४	जोडियाँ लगाओ	गुणांक - २०
प्रश्न -५	एक वाक्य में व्याख्या लिखो	गुणांक - २०
	कुल	गुणांक - १००

निबंध के लिये नीचे मुजब ग्रेडिंग रहेगी

१) ४० मार्क्स के उपर A+ २) ३५ मार्क्स के उपर A ३) ३० मार्क्स के उपर B+ ४) २५ मार्क्स के उपर B
५) २० मार्क्स से कम C

उत्तर पत्र नीचे लिखे पते पर भेजिए :
सौ. कश्मीरा विनोद लोडाया, शाह गोविन्दजी वीरम फेक्टरी कम्पाउन्ड, मोंढा रोड, औरंगाबाद.
सही परिणाम और सही जवाब के लिये वेब साईट www.shatrunjayacademy.com